



श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट & साइंस, इंदौर

राष्ट्रीय संगोष्ठी

‘भारत की वास्तविक प्रगति के लिए शिक्षा में भारतीय भाषाओं को सम्मिलित करने की आवश्यकता:
विकसित भारत 2047 के परिप्रेक्ष्य में चिंतन’

दिनांक: 7-8 अगस्त, 2025

प्रायोजक



अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्
All India Council for Technical Education

डॉ. क्षमा पैठणकर

समन्वयक

डॉ. पूनम नागर

डॉ. समता जैन

सह समन्वयक

आयोजक

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट & साइंस, इंदौर

पूर्व नाम श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, इंदौर (स्थापना) 1987

अभातशिप, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित और देअविवि, इंदौर और रागाप्रौवि, भोपाल, मध्य प्रदेश, संबद्धता प्राप्त

UGC-NAAC द्वारा ‘A’ ग्रेड से प्रत्यायित

स्कीम नंबर 71, गुमास्ता नगर, इंदौर (म.प्र.)

परिचय

श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस इंदौर, जो कि NAAC द्वारा 'A' ग्रेड से प्रत्यायित एक प्रतिष्ठित संस्थान है जिसमें आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दो दिवसीय हिन्दी भाषा संवर्धन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में भारत की वास्तविक प्रगति हेतु हिन्दी के समावेश की आवश्यकता पर विचार करना है। यह मंच उद्योग, शिक्षा एवं अनुसंधान समुदायों से जुड़े छात्रों और पेशेवरों को दैनिक जीवन तथा कार्य क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रभावी उपयोग की गहन समझ प्रदान करेगा। शिक्षा और राष्ट्रीय विकास में हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक तौर पर यह अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (अभातशिप) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 7-8 अगस्त, 2025 को आयोजित की जाएगी। यह संगोष्ठी 'विकसित भारती 2047' के सूत्र वाक्य में निहित भारत के विकास और विश्वगुरु के रूप में यशस्वी होने की संभावनाओं को मूर्त करने का एक प्रयास है।

अभातशिप के बारे में

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (अभातशिप) की स्थापना नवंबर 1945 में एक राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष सलाहकार संस्था के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य देश में तकनीकी शिक्षा से संबंधित उपलब्ध संसाधनों का सर्वेक्षण करना तथा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में समन्वित और एकीकृत विकास को बढ़ावा देना था।

अभातशिप के उद्देश्य

- तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ावा देना।
- तकनीकी शिक्षा प्रणाली की योजना और समन्वित विकास।
- शैक्षणिक संस्थानों के अंतर्गत मानदंडों और मानकों का विनियमन और रखरखाव।

इन्दौर के बारे में

इन्दौर को 100 भारतीय शहरों में आर्थिक केंद्र एवं 'स्मार्ट सिटीज मिशन' के तहत विकास के लिए चयनित किया गया है। उल्लेखनीय रूप से, 2017 से 2024 तक स्वच्छ भारत सर्वेक्षण रैंकिंग के अनुसार, इसे लगातार सात वर्षों तक भारत के 'सबसे स्वच्छ शहर' का गौरव प्राप्त है। शहर की समृद्ध विरासत भव्यता से भरी हुई है, जो 1720 के दशक में

लौटती है जब मल्हार राव होल्कर ने दूरदर्शी नेतृत्व के युग की शुरुआत करते हुए होल्कर राजवंश की स्थापना की थी। आज इंदौर मध्य भारत के वाणिज्यिक केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है, जो ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल्स से लेकर पेट्रोलियम रिफाइनरियों और टेक्सटाइल तक के विविध उद्योगों का घर है। क्षेत्र के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में पीथमपुर शामिल है, जिसे 'मध्य प्रदेश का डेट्रायट' कहा जाता है, साथ ही सांवेर औद्योगिक बेल्ट, लक्ष्मीबाई नगर, आईटी पार्क और इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स भी सम्मिलित हैं।

शहर को मध्य भारत में तीसरा सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज प्रायोजित करने का गौरव प्राप्त है, और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने इंदौर में एक निवेशक सेवा केंद्र भी स्थापित किया है। शहर में आयोजित वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निवेश के लिए रास्ते खोले हैं। टीसीएस और इंफोसिस जैसी प्रमुख आईटी कम्पनियों ने यहाँ अपने विकास केंद्रों का उद्घाटन किया है, जिससे इंदौर की प्रतिष्ठा एक उभरते तकनीकी केंद्र के रूप में और भी मजबूत हुई है। इंदौर स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणा के रूप में खड़ा है, यह देश का एकमात्र उल्लेखनीय भारतीय शहर है जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) दोनों कार्यरत हैं। इंदौर शहर का एक मजबूत परिवहन बुनियादी ढांचा है, जो शहर के सरल, सुविधाजनक आवागमन को सुनिश्चित करता है। इसका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दुनिया भर के गंतव्यों से जोड़ता है। 'भारत की स्ट्रीट फूड राजधानी' के रूप में प्रसिद्ध, इंदौर अपने नमकीन एवं मिठाइयों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। इंदौर से निकट, महू भारत के प्रमुख सैन्य मुख्यालयों में से एक है, जो भारतीय सेना के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण और परिचालन कार्यों की देखरेख करता है। यह शहर राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आरआरसीएटी) का भी घर है, जो परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक प्रतिष्ठित परमाणु अनुसंधान संस्थान है। इंदौर के कतिपय नक्षत्र स्वर कोकिला भारत रत्न स्वर्गीय लता मंगेशकर, महान हास्य अभिनेता श्री जॉनी वॉकर, क्रिकेटर श्री मुश्ताक अली, महान भारतीय क्रिकेटर पद्म भूषण श्री राहुल द्रविड़, भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूपकार श्री दीनानाथ भार्गव है।

संस्थान के बारे में

सन् 1987 से श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस का इन्दौर शहर में गौरवशाली इतिहास रहा है। इसकी स्थापना श्री वैष्णव शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास द्वारा इंदौर की एक घटक इकाई के रूप में की थी। न्यास के तत्वावधान में श्री वैष्णव

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इन्दौर उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। इसे सीएमएआई, एशिया द्वारा मध्य प्रदेश का सबसे पुराना स्व-वित्त संस्थान होने का पुरस्कार प्राप्त है। संस्थान को 2012, 2017 और 2022 में लगातार तीन चक्रों में यूजीसी-नैक द्वारा 'ए' ग्रेड से प्रत्यायित किया गया है, जो सभी पहलुओं में गुणवत्ता के प्रति सर्वोच्च प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विगत 38 वर्षों की यात्रा के अंतर्गत यह विद्यावाचस्पति, (पी.एच. डी.), स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर जैसे : एमबीए, एमसीए, एमएससी, बीबीए, बीसीए और बीएससी पाठ्यक्रमों के साथ प्रबंधन, कंप्यूटर विज्ञान और जैव विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा के लिए उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करके समाज की सेवा कर रहा है। संस्थान यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि हमारे छात्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस परिदृश्य में बने रहने और कदम बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करें। इंदौर शहर के मध्य में स्थित सात एकड़ के क्षेत्र में फैले हरे-भरे परिसर के साथ, संस्थान सभी परिवहन साधनों से जुड़ा हुआ है। संस्थान रोजगार परक शिक्षा प्रदान करने हेतु संकल्पित है जिसके परिणामस्वरूप संस्थान के पूर्व छात्र वैश्विक स्तर पर अपने क्षेत्र में सफलता अर्जित कर संस्थान की प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि कर रहे हैं।

संगोष्ठी के बारे में

वाणी 2.0 पहल के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी के माध्यम से भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने और उनकी महत्ता को रेखांकित करने के उद्देश्य से भाषा-प्रेमियों, शिक्षकों और विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर एकत्र करना है। जिसमें प्रतिभागियों को **निःशुल्क** पंजीयन करना है।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य अकादमिक और दैनिक संवादों में हिंदी भाषा को बढ़ावा देना तथा भाषिक विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर करना है। यह पहल भारत की भाषायी धरोहर को संजोने और आधुनिक संदर्भ में उसके उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संगोष्ठी के उद्देश्य

1. शिक्षा जगत और दैनिक जीवन में आपसी संवाद में हिन्दी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देना।
2. संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं पर प्रकाश डालते हुए भारत की समृद्ध भाषायी विविधता और धरोहर को प्रदर्शित करना।
3. हिन्दी भाषा के माध्यम से संवाद, नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना।

4. प्रतिभागियों को अपने आपसी संवाद में हिन्दी भाषा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना।

5. संस्थागत स्तर पर क्षेत्रीय भाषा के उपयोग पर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (अभातशिप) की पहल के कार्यान्वयन का समर्थन करना।

6. शिक्षा और समाज में भारतीय भाषाओं में हिन्दी को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करना।

7. भारतीय भाषाओं में हिन्दी के विकास एवं संरक्षण हेतु प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के तरीकों की खोज करना।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य विशेषज्ञों, शिक्षकों और भाषा के प्रति जिज्ञासु लोगों को भारतीय भाषाओं में हिन्दी भाषा के महत्व पर चर्चा करने और उनके उपयोग और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पहल विकसित करने के लिए एक साथ लाना है।

संगोष्ठी के संभावित परिणाम

1. हिन्दी भाषा की उपयोगिता एवं महत्व के विषय में जागरूकता बढ़ाना।
2. हिन्दी भाषा संधारण एवं संवर्धन हेतु अभातशिप की क्षेत्रीय भाषा शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रणनीतियों का निर्धारण।
3. हिन्दी भाषा के क्षेत्र में रोजगार एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना।
4. प्रतिभागियों में शिक्षा जगत और व्यवहारिक जीवन में हिन्दी भाषा के प्रति रुचि जागृत करना।
5. भारतीय भाषाओं में हिन्दी भाषा शिक्षा से समावेशी विकास।
6. वैश्विक भारत के निर्माण में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार एवं भाषायी आत्मनिर्भरता।

उपर्युक्त संभावित परिणाम हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

शोधार्थी अपने आलेख निम्नलिखित विषयों से संबंधित किसी भी आयाम पर देने हेतु स्वतंत्र है।

एकीकृत विषय : शिक्षा एवं शिक्षाशास्त्र

विस्तारित विषय : समावेशी शिक्षा के लिए बहुभाषी कक्षाएँ

- द्विभाषी व त्रिभाषी शिक्षा मॉडल

- क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षण—सहायक उपकरण
 - मातृभाषा आधारित साक्षरता और संख्यात्मकता
 - पाठ्यक्रम नवाचार में भारतीय भाषाओं में हिन्दी की भूमिका
-

एकीकृत विषय : प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी परिवर्तन

विस्तारित विषय : भाषाओं को सशक्त बनाने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं तकनीकी उपकरणों का उपयोग

- भारतीय भाषाओं में हिन्दी के लिए अनुवाद और वाक् पहचान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का उपयोग
 - स्थानीय भाषाओं को समर्थन देने वाले शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म
 - भारतीय लिपियों के लिए नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP)
 - क्षेत्रीय भाषाओं में कोडिंग और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग
-

एकीकृत विषय : भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS)

विस्तारित विषय : भारतीय भाषाएँ – भारतीय ज्ञान की वाहक

- संस्कृत एवं क्षेत्रीय ग्रंथों में विज्ञान, चिकित्सा और दर्शन
 - पारंपरिक ग्रंथों के आधुनिक उपयोग हेतु अनुवाद
 - मौखिक परंपराओं का भाषायी दस्तावेजीकरण
 - कृषि, वास्तुकला व हस्तशिल्प में स्थानीय ज्ञान प्रणाली
-

एकीकृत विषय : सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी

विस्तारित विषय : पहचान और राष्ट्र निर्माण

- भाषायी विविधता और सांस्कृतिक धरोहर
 - सामाजिक समावेशन में भाषा की भूमिका: जाति, लिंग और जनजातीय दृष्टिकोण
 - समाज सुधार में क्षेत्रीय साहित्य का प्रभाव
 - आधुनिक भारत में भाषायी राजनीति और क्षेत्रीयता
-

एकीकृत विषय : मीडिया, संचार एवं पत्रकारिता

विस्तारित विषय : स्थानीय भाषाओं के माध्यम से लोकतांत्रिक संवाद को सुदृढ़ करना

- भारतीय भाषाओं में हिन्दी पत्रकारिता और जनसंपर्क
 - ब्लॉग, पॉडकास्ट, ओटीटी और सोशल मीडिया में स्थानीय भाषा सामग्री
 - भ्रामक सूचना, मीडिया साक्षरता में भाषा अभिगमन
 - विज्ञान व नीतियों की आमजन तक पहुँच हेतु क्षेत्रीय भाषा संचार
-

एकीकृत विषय : विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं नवाचार

विस्तारित विषय : मूल भाषाओं के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास

- भारतीय भाषाओं में STEM शिक्षा के अवसर और चुनौतियाँ
 - विज्ञान विषयक शब्दावली का विकास
 - स्थानीय भाषाओं में नवाचार व स्टार्टअप संस्कृति
 - ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी नवाचार हेतु भाषा आधारित समाधान
-

एकीकृत विषय : विधि, नीति एवं शासन

विस्तारित विषय : लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाषायी न्याय

- संवैधानिक प्रावधान एवं भाषायी अधिकार
 - भारतीय भाषाओं में विधिक शिक्षा व न्यायिक पहुँच
 - प्रशासन एवं ई-गवर्नेंस में आधिकारिक भाषा का उपयोग
 - संसद, न्यायालयों और सिविल सेवाओं में बहुभाषिकता
-

एकीकृत विषय: प्रबंधन, व्यापार एवं उद्यमिता

विस्तारित विषय: आर्थिक सशक्तिकरण का साधन – हिन्दी भाषा

- क्षेत्रीय भाषाओं में ब्रांडिंग और विपणन
 - बहुभाषी व्यावसायिक संप्रेषण
 - एमएसएमई प्रशिक्षण और कौशल विकास
 - स्थानीय भाषाओं में वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता अधिकार
-

एकीकृत विषय: स्वास्थ्य, जन-जागरूकता एवं जनकल्याण

विस्तारित विषय: भारतीय भाषाओं में स्वास्थ्य शिक्षा एवं जन-जागरूकता

- क्षेत्रीय भाषाओं में सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान
 - मातृभाषा में मानसिक स्वास्थ्य परामर्श
 - स्थानीय भाषा में टेलीमेडिसिन व निदान सेवाएँ
 - ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण सामग्री
-

एकीकृत विषय: पर्यावरणीय जागरूकता और स्थिरता

विस्तारित विषय: पर्यावरणीय चेतना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

- प्राकृतिक संसाधनों (जल, वायु, मृदा इत्यादि) का संरक्षण एवं संवर्धन
- पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम और स्वच्छता जागरूकता हेतु रणनीतियाँ
- जैविक जीवन-शैली और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन हेतु संधारणीय अनुशीलन

प्रतिभागियों की योग्यता – स्नातकोत्तर विद्यार्थी, पी.एच.डी. शोधार्थी, शैक्षणिक एवं व्यवसायिक व्यक्तिगण

महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

- पंजीकरण शुल्क: निःशुल्क
- प्रतिभागियों की उपस्थिति प्रत्यक्ष रूप से होना आवश्यक
- शोध पत्र का प्रस्तुतीकरण एवं लेखन केवल हिन्दी भाषा में अनिवार्य

महत्वपूर्ण तिथियाँ

- सारांश प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 20 जुलाई, 2025
- स्वीकृति की सूचना : 22 जुलाई, 2025
- पूर्ण पेपर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 27 जुलाई, 2025
- पूर्ण पेपर स्वीकृति की सूचना : 30 जुलाई, 2025

पंजीकरण विवरण

- विवरणिका में क्यूआर कोड को स्कैन करें या लिंक पर क्लिक करें।



<https://forms.gle/GNrFPqb1mf4MqJEH6>

- अपना सारांश/पूर्ण पेपर यहाँ जमा करें

svims_vaani@svimi.org

शोधपत्र प्रकाशन

संगोष्ठी में प्राप्त चयनित शोधलेख प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में सशुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

संस्थान की वेबसाइट : www.svimi.org

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –

डॉ. क्षमा पैठणकर, समन्वयक – 9926064713

डॉ. पूनम नागर, सह-समन्वयक – 9893517100

डॉ. समता जैन, सह-समन्वयक – 9424552120

संरक्षक

श्री पुरुषोत्तमदास पसारी, अध्यक्ष – श्री वैष्णव ग्रुप ऑफ ट्रस्ट और कुलाधिपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर

श्री देवेन्द्र कुमार मुछाल, अध्यक्ष – श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर

श्री गिरधरगोपाल नागर, उपाध्यक्ष – श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर

श्री विष्णु पसारी, सचिव – श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर

श्री शरद तुलस्यान, सह सचिव – श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर

श्री मनीष बाहेती, कोषाध्यक्ष – श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर

परामर्श दाता

डॉ.उपेंद्र धर, पूर्व कुलगुरु – श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर

राष्ट्रीय संगोष्ठी अध्यक्ष

डॉ. जॉर्ज थॉमस, निदेशक – श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर

संगोष्ठी समन्वयक

डॉ. क्षमा पैठणकर, आई.क्यू.एस.सी.समन्वयक एवं कम्प्यूटर एवं बायो साइंस विभागाध्यक्ष

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-समन्वयक

डॉ. पूनम नागर

डॉ. समता जैन

सलाहकार समिति

डॉ. दीपा कटियाल, विभागाध्यक्ष, मैनेजमेन्ट (यू.जी.)

डॉ. मंदीप गिल, विभागाध्यक्ष, मैनेजमेन्ट (पी.जी.)

डॉ. जयेश तिवारी

डॉ. दीपा जोशी

डॉ. संदीप मालू

डॉ. उत्तम जगताप

डॉ. क्षमा गंजीवाले

डॉ. एकता अग्रवाल

डॉ. प्राची निकम

डॉ. प्रशांत कुशवाह

डॉ. भावना काबरा

डॉ. साक्षी यादव

कार्यकारिणी समिति

डॉ. एकता अग्रवाल

डॉ. मेघा जैन

डॉ. जगदीश शर्मा

सुश्री श्रुति पुस्तके

डॉ. कृतिका नीमा

डॉ. मोहिनी थत्ते

डॉ. गरिमा दुबे

डॉ. एकता गायकवाड़

डॉ. रश्मि भगत

डॉ. शिल्पा जोशी



SHRI VAISHNAV INSTITUTE OF MANAGEMENT & SCIENCE, INDORE

organises

National Conference

on

**The Need for Incorporating Indian Languages in Education for India's
True Progress: Reflections in Perspective of Vision 'Viksit Bharat 2047'**

Date: August 7-8, 2025

Sponsored by



अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्
All India Council for Technical Education

Dr. Kshama Paithankar

Coordinator

Dr. Poonam Nagar

Dr. Samta Jain

Co-Coordinator

Organised by

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

SHRI VAISHNAV INSTITUTE OF MANAGEMENT & SCIENCE, INDORE

Formerly known as Shri Vaishnav Institute of Management, Indore Estd.- 1987

Approved by AICTE, New Delhi and Affiliated to DAVV, Indore & RGPV, Bhopal

UGC-NAAC Accredited 'A' Grade Institute

Sch.No.-71, Gumasta Nagar, Indore, Madhya Pradesh, India

INTRODUCTION

The National Conference on ‘The Need for Incorporating Indian Languages in Education for India's True Progress: Reflections in Perspective of Vision ‘Viksit Bharat 2047’, by Internal Quality Assurance Cell of Shri Vaishnav Institute of Management & Science, Indore(SVIMS), a UGC- NAAC ‘A’ grade accredited institution, aims at the students and professionals from the industry, academia and research communities to give a thorough understanding of using Indian languages in routine life. SVIMS is now pleased to announce a National Conference officially for promoting Indian language in Education and national development on August 7-8, 2025.

ABOUT AICTE

All India Council for Technical Education (AICTE) was set up in November 1945 as a national-level Apex Advisory Body to conduct a survey on the facilities available for technical education and to promote development in the country in a coordinated and integrated manner. The objectives of AICTE are:

OBJECTIVES OF AICTE

- Promotion of Quality in Technical Education.
- Planning and Coordinated Development of Technical Education System.
- Regulations and Maintenance of Norms and Standards in Educational Institutes.

INDORE: THE PRIDE OF NATION

Indore, the economic hub of Madhya Pradesh, stands proudly among the 100 Indian cities chosen for development under the Smart Cities Mission. Remarkably, it has been crowned India’s ‘Cleanest City’ for seven consecutive years, according to the Swachh Bharat Sarvekshan rankings from 2017 through 2024. The city’s rich heritage is steeped in grandeur, tracing back to the 1720s when Malhar Rao Holkar established the Holkar Dynasty, ushering in an era of visionary leadership. Today, Indore is celebrated as the commercial powerhouse of Central India, home to a diverse array of industries, from automobiles and pharmaceuticals to petroleum refineries and textiles. The region’s major industrial hubs include Pithampur, often dubbed the 'Detroit of Madhya Pradesh', along with the Sanwer Industrial Belt, Laxmibai Nagar, IT Park, and the Electronic Complex.

The city takes pride in hosting the third-oldest stock exchange in Central India, and the National Stock Exchange has also established an Investor Service Centre in Indore. The Global Investors’ Summit, held in the city, has opened avenues for international collaboration and investment. Leading IT firms like TCS and Infosys have inaugurated their development centers here, further cementing Indore’s reputation as a rising technological hub. Indore

stands as an inspiration in the field of healthcare and education, it is uniquely the only Indian city to house both an Indian Institute of Technology (IIT) and an Indian Institute of Management (IIM). As a thriving urban center, Indore boasts a robust transport infrastructure, ensuring smooth connectivity both within the city and beyond. Its international airport links it with destinations across the globe. Often hailed as the 'Street Food Capital of India', Indore is famed nationwide for its mouth-watering snacks and delectable sweets. Nearby, MHOW serves as one of India's key Military Headquarters, overseeing vital training and operational functions of the Indian Army. The city is also home to the Raja Ramanna Centre for Advanced Technology (RRCAT), an esteemed atomic research institute under the Department of Atomic Energy. Adding to its cultural significance, Indore hosts Asia's largest metal statue of Lord Hanuman, majestically perched atop Pitra Parvat. Indore has been a

ABOUT THE INSTITUTE

Shri Vaishnav Institute of Management & Science, Indore has glorious history since 1987. It was established as one of the constituent units of Shri Vaishnav Shaikshanik Avam Parmarthik Nyas, Indore. The Nyas has established Shri Vaishnav Shikshan Samiti, and under its aegis Shri Vaishnav Institute of Management is progressively leading towards success. It has conferred with the award of being the oldest Self Finance Institute of M.P. by CMAI, Asia.

The Institute proudly announces the UGC-NAAC Accreditation with A grade in three consecutive cycles in 2012, 2017 and 2022 respectively indicating its highest commitment of quality in all aspects. During past 38 years journey, it has been serving the society by providing excellent environment for education in area of Management, Computer Science and Biosciences by offering programmes Ph.D, PG and UG levels viz. MBA, MCA, MSc, BBA, BCA and BSc.

Institute aims at creating efficient managers and leaders. We strive to ensure that our students develop the right skills required to sustain and grow in this scenario of global competition. At the same time, we also take efforts in preparing the students for future by cultivating a winning spirit, which help them to participate on all platforms. With a lush green campus spread over an area of seven acres located in the heart of the Indore city, the institute is well connected through all means of transport.

Institute feels proud that the Alumni of this institute are spread over the globe and achieving the success and recognition in their area of specialization. For good placements, Institute focuses on employable learning.

ABOUT THE CONFERENCE

The National Conference, organized under the VAANI 2.0 initiative, brings together language enthusiasts, educators, and experts to promote and celebrate Indian languages.

The conference aimed to foster the use of Hindi language in academia and everyday conversation, showcasing its diversity and richness. The registration in the conference is **free of charge**.

OBJECTIVES OF CONFERENCE

The National Conference in Hindi Language aims to:

1. Foster the use of Hindi Language in academia and everyday conversation.
2. Showcase the rich linguistic diversity of Hindi Language.
3. Promote dialogue, innovation, and creativity through Hindi Language.
4. Encourage participants to utilize Hindi Language in their interactions.
5. Support the implementation of the All India Council for Technical Education (AICTE) initiative on use of Regional languages in education at institutional levels.
6. Provide a platform for stakeholders to discuss strategies for promoting Hindi Language in education and society.

EXPECTED OUTCOMES OF CONFERENCE

The National Conference in Hindi Language may yield several key outcomes:

1. Increased awareness: Participants will gain a deeper understanding of the importance of promoting Indian languages in academia and everyday life.
2. Strategies for promotion: Stakeholders will discuss and may develop strategies for implementing use of Hindi Language in imparting education.
3. Collaboration and networking: Experts, educators, and language enthusiasts will establish connections to work together on Hindi language preservation and promotion initiatives.
4. Recommendations for policy implementation: The conference will provide recommendations for effectively implementing AICTE's use of Regional Language Policy at institutional levels.

These outcomes will contribute in promoting and preserving the Hindi Language.

Call for Paper in following themes but may not be restricted to.

Theme: Education & Pedagogy

Sub-Theme: Multilingual Classrooms for Inclusive Learning

- Bilingual and trilingual education models
- Teaching-learning tools in regional languages
- Role of Indian languages in foundational literacy and numeracy

- Curriculum innovation through mother tongue instruction

Theme: Technology & Digital Transformation

Sub-Theme: Leveraging AI and Digital Tools for Language Empowerment

- AI/ML for translation and speech recognition in Indian languages
- EdTech platforms supporting vernacular learning
- Natural Language Processing (NLP) for Indian scripts
- Coding and computational thinking in regional languages

Theme: Indian Knowledge Systems (IKS)

Sub-Theme: Indian Languages as Carriers of Indigenous Wisdom

- Sanskrit and regional texts in science, medicine, and philosophy
- Translation and interpretation of classical texts for modern use
- Preserving oral traditions through linguistic documentation
- Local knowledge systems in agriculture, architecture, and crafts

Theme: Social Sciences & Humanities

Sub-Theme: Language, Identity and Nation Building

- Linguistic diversity and cultural heritage
- Language and social inclusion: Gender, caste, and tribal perspectives
- Vernacular literature as a medium for social reform
- Language politics and regionalism in modern India

Theme: Media, Communication & Journalism

Sub-Theme: Strengthening Democratic Discourse Through Local Languages

- Journalism in Indian languages and community outreach
- Local-language content creation: Blogs, podcasts, OTT, social media
- Misinformation, media literacy, and language accessibility
- Public communication of science and policy in regional languages

Theme: Science, Engineering & Innovation

Sub-Theme: Building Scientific Temper Through Native Languages

- STEM education in Indian languages: Opportunities and challenges
- Scientific vocabulary development in regional languages
- Innovation and startup culture in vernacular domains

Theme: Law, Policy & Governance

Sub-Theme: Language Justice in a Democratic Framework

- Constitutional provisions and linguistic rights
- Judicial access and legal education in Indian languages
- Official language use in administration and e-governance
- Multilingualism in Parliament, courts, and civil services

Theme: Business, Management & Entrepreneurship

Sub-Theme: Language as a Driver of Economic Empowerment

- Marketing and branding in regional languages
- Business communication in multilingual contexts
- MSME training and skilling in local languages
- Financial literacy and consumer rights in vernacular mediums

Theme: Health, Wellbeing & Public Awareness

Sub-Theme: Health Education and Awareness in Indian Languages

- Public health campaigns in regional languages
- Mental health counseling and outreach in mother tongues
- Local-language telemedicine and diagnostics
- Community health worker training materials in local scripts

Theme: Sustainable Future: Our Collective Responsibility

Sub-Theme: Environmental consciousness and sustainability

- Conservation of natural resources such as water, air, soil etc.
- Strategies to combat pollution for clean environment.
- Organic living, effective waste management etc. by embracing sustainable practices.

WHO CAN PARTICIPATE?

PG Students, Ph.D scholars, academicians and industrial professionals.

IMPORTANT GUIDELINES

- **Registration fee: free of charge.**
- **The conference will be held in physical mode only.**
- **The research paper and presentation of the paper will be in hindi language only.**

IMPORTANT DATES

- Abstract Submission Deadline: July 20 , 2025
- Notification of Acceptance: July 22, 2025
- Final Paper Submission: July 27, 2025
- Notification of Full Paper Acceptance: July 30 , 2025

REGISTRATION DETAILS

- Click the link <https://forms.gle/frvFQgPyKEwqWbbp7>
- Submit your abstract/full paper at: svims_vaani@svimi.org

- Scan the QR Code for Registration



PAPER PUBLICATION

Conference Papers will be published in a reputed Peer reviewed Journal with applicable charges.

CONTACT US

Dr. Kshama Paithankar, Coordinator- 9926064713
Dr. Poonam Nagar, Co-Coordinator- 9893517100
Dr. Samta Jain, Co-Coordinator- 9424552120

For more details, visit: www.svimi.org

PATRONS

- Shri Purushottamdas Pasari, Chairman, Shri Vaishnav Group of Trusts and Chancellor, Shri Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya, Indore
- Shri Devendra Kumar Muchhal, Chairman, Shri Vaishnav Institute of Management & Science, Indore
- Shri Girdhargopal Nagar, Vice Chairman, Shri Vaishnav Institute of Management & Science, Indore
- Shri Vishnu Pasari, Secretary, Shri Vaishnav Institute of Management & Science, Indore
- Shri Sharad Tulsyan, Joint Secretary, Shri Vaishnav Institute of Management & Science, Indore
- Shri Manish Baheti, Treasurer, Shri Vaishnav Institute of Management & Science, Indore

MENTOR

Dr. Upinder Dhar, Former Vice Chancellor, Shri Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya, Indore

CHAIRPERSON OF THE CONFERENCE

Dr. George Thomas, Director & Chairman, IQAC

COORDINATOR

Dr. Kshama Paithankar, Coordinator, IQAC & Head, Department of Computer & Bio Sciences

CO-COORDINATOR

Dr. Poonam Nagar & Dr. Samta Jain

ADVISORY COMMITTEE

Dr. Deepa Katiyal (HoD, UG)	Dr. Mandip Gill (HoD, PG)	
Dr. Jayesh Tiwari	Dr. Deepa Joshi	Dr. Sandeep Malu
Dr. Uttam Jagtap	Dr. Kshama Ganjiwale	Dr. Ekta Agrawal
Dr. Prachi Nikam	Dr. Prashant Kushwah	Dr. Bhavana Kabra
Dr. Sakshi Yadav		

ORGANISING COMMITTEE

Dr. Ekta Agrawal	Dr. Megha Jain	Dr. Jagdish Sharma
Ms. Shruti Pustake	Dr. Kratika Neema	Dr. Mohini Thattey
Dr. Garima Dubey	Dr. Ekta Gaikwad	Dr. Rashmi Bhagat
Dr. Shilpa Joshi		